

PM-जनमन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किये गए **पीएम-जनमन (प्रधानमंत्री-जनजाति आदवासी नयाय महाअभियान योजना)** PVTG बस्तियों के समग्र विकास के लिये पैकेज के हिस्से के रूप में एक लाख **वर्षीय रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG)** लाभार्थी परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के तहत 540 करोड़ रुपए, पक्के घरों की फंडिंग की पहली कसि के रूप में दिये जाँगे।

मुख्य बडि:

- **जनजातीय गौरव दिवस** के अवसर पर 15 नवंबर 2023 को झारखंड के खूंटी में पीवीटीजी के सामाजिक-आर्थिक कल्याण के लिये **पीएम-जनमन (केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाओं को शामिल करते हुए)** लॉन्च किया गया था।
- लगभग **24,000 करोड़ रुपए के बजट के साथ पीएम-जनमन, 9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्त्वपूर्ण हस्तक्षेपों पर केंद्रित है।**
- **अनुसूचित जनजातियों के लिये विकास कार्य योजना (DAPST)** के तहत अगले तीन वर्षों में मशिन को लागू करने के लिये 15,000 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी।
- यह प्रधानमंत्री वर्षीय रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह विकास मशिन का हिस्सा है जिसकी घोषणा वित्त मंत्री नर्मला सीतारमण ने फरवरी 2023 में **केंद्रीय बजट 2023-24** में की थी।
- इसका उद्देश्य पीवीटीजी घरों और बस्तियों को **सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता, वदियुत, सड़क व दूरसंचार कनेक्टिविटी** आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं से संतुप्त करके पीवीटीजी की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करना है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में **अनुसूचित जनजात** की आबादी 10.45 करोड़ है, जिसमें से 18 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में स्थिति 75 समुदायों को पीवीटीजी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।